राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 20 | जौनपुर | मंगलवार, 02 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : सीएम योगी

लखनऊ , (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उदासीनता या ढिलाई मिली तो कठोर कार्रवाई तय है। सीएम ने कहा कि सभी संवेदनशील स्थलों, बाजार, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की उपस्थिति और गश्त निरंतर दिखाई देनी चाहिए। सीएम रविवार को प्रदेश की कानून–व्यवस्था, आईजीआरएस, सीएम हेल्पलाइन, आगामी त्यौहारों, बाढ़, स्वास्थ्य सेवाओं आदि के बारे में सभी मंडलायुक्तों, डीएम, पुलिस कप्तानों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक कर रहे थे। सीएम ने कहा कि महिलाओं एवं छात्राओं को निर्भय वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की जिम्मेदारी है, इस पर किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने हाल के दिनों में कुछ जिलों से प्राप्त अप्रिय घटनाओं का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित पुलिस कप्तानों से मामले में अब तक हुई कार्रवाईयों की विस्तृत जानकारी भी ली। उन्होंने साफ कहा कि ऐसी घटनाएं किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और दोषियों के खिलाफ त्वरित व कठोर कार्रवाई अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त हो रही प्रत्येक जन शिकायत और समस्या का शिकायतकर्ता की दृष्टि से संतोषजनक समाधान होना ही चाहिए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि और उसका फीडबैक ही अधिकारियों के प्रदर्शन का वास्तविक पैमाना होगा। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों की मंडलवार, जिलावार, तहसीलवार, जोनवार, रेंजवार, जिला पुलिस और थाना स्तर पर हर पीड़ित की भावना का सम्मान करते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ समाधान करें। उन्होंने चेतावनी दी कि मिथ्या अथवा भ्रामक रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई अनिवार्य रूप से होगी। सीएम ने 6–7 सितंबर को प्रस्तावित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) की तैयारियों को लेकर कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। प्रश्न पत्रों की गोपनीयता, लाइव सीसीटीवी कंट्रोल रूम, यातायात व्यवस्था और बारिश के मौसम में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित करें। किसी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करें। योगी ने बीते दिनों पर्व–त्योहारों के सकुशल संपन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ आगामी त्योहारों जैसे बारावफात, अनंत चतुर्दशी व विश्वकर्मा पूजा के दृष्टिगत पुलिस–प्रशासन को पहले से अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। सीएम ने बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों में राहत कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन लेने का निर्देश दिया।

घाटी में तबाही के बाद शाह का दूसरा दौरा

जम्मू , (एजेंसी) ।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि वह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगुचक्क भी जाएंगे। शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उन्होंने बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुककर नदी किनारे हुए नुकसान का जायजा लिया। अमित शाह ने जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया शाह रविवार रात जम्मू पहुंचे थे ताकि बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की समीक्षा कर सकें। वे आज बाद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी कर सकते हैं। इसके अलावा, शाह राजभवन में दो अलग–अलग बैठकों की अध्यक्षता करेंगे– एक बैठक बाढ़ राहत कार्यों पर और दूसरी बैठक बाढ़ से सीमा सुरक्षा में आई बाधाओं को लेकर होगी। 14 अगस्त से अब तक किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 130 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 33 लोग लापता

हैं। 26 और 27 अगस्त को हुई रिकॉर्ड बारिश से जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों में भारी बाढ़ आई, जिससे बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 श्रद्धालु भी शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी यात्रा के दौरान भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। यह पिछले तीन महीनों में जम्मू का शाह का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 29 मई को यहां आए थे, जब भारतीय सेना ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले (जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी) के जवाब में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। 24 अगस्त को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी जम्मू का दौरा किया था। वे किश्तवाड़ जिले के चिसोटी गांव में बादल फटने के बाद स्थिति का जायजा लेने आए थे। हालांकि खराब मौसम और पडर उपखंड में भूस्खलन के कारण उनका गांव तक पहुंचना संभव नहीं हो सका।

संक्षिप्त खबरें

अपनी परंपरा से जीने की आजादी : रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) देश के आदिवासी समाज पर लागू नहीं होगी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े वनवासी कल्याण आश्रम के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को उनकी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार जीने की स्वतंत्रता दी जाएगी। रिजिजू ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार के खिलाफ भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वह गलत माहौल बनाकर यह संदेश दे रहे हैं कि यूसीसी लागू होने पर आदिवासियों की संस्कृति खत्म हो जाएगी। लेकिन सरकार का रुख बिल्कुल साफ है कि यूसीसी अनुसूची पांच, अनुसूची छह, पूर्वोत्तर और अन्य आदिवासी इलाकों में लागू नहीं होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार संविधान के अनुच्छेद 44 के अनुसार यूसीसी लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि जब आपराधिक कानून पूरे देश में सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होता है तो सिविल कानून भी सभी के लिए समान होना चाहिए। रिजिजू ने आगे यह जानकारी भी दी कि कुछ राज्य इस दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। उत्तराखंड में पहले ही समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। उन्होंने दोहराया कि केंद्र सरकार आदिवासी समुदाय की परंपराओं और अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके क्षेत्रों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। इस समय विधि आयोग पूरे देश में यूसीसी पर अध्ययन कर रहा है। आयोग विभिन्न समुदायों और हितधारकों से सुझाव ले रहा है। माना जा रहा है कि आयोग की रिपोर्ट आने के बाद इस पर आगे निर्णय लिया जाएगा। रिजिजू के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि केंद्र सरकार आदिवासी समाज की चिंताओं को लेकर गंभीर है। समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी देश में एक समान सिविल कानून लागू करने का प्रस्ताव है। इसका मतलब यह होगा कि शादी, तलाक, गोद लेने, उत्तराधिकार और गुजारे भत्ते से जुड़े नियम सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होंगे।

कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति, कई कार्यक्रमों में होंगी शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से कर्नाटक और तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना होंगी। इस दौरान वह शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार वे अपने दौरे की शुरुआत एक सितंबर को कर्नाटक के मैसूरु से करेंगी। यहां वह

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग की हीरक जयंती (60वीं वर्षगांठ) समारोह में शामिल होंगी। यह संस्थान देश में वाक् और श्रवण संबंधी अनुसंधान एवं उपचार के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहा है। दो सितंबर को राष्ट्रपति चेन्नई जाएंगी। जहां वह सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। इस मौके पर वह बैंकिंग क्षेत्र की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर विचार रखेंगी। दौरे के अंतिम दिन यानी तीन सितंबर को राष्ट्रपति मुर्मू तिरुवरुर जाएंगी। यहां वह सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी और विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि यह दौरा शिक्षा, बैंकिंग और सामाजिक उत्थान से जुड़े आयोजनों पर केंद्रित रहेगा।

एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम ला रहे, मोदीजी मुंह नहीं दिखा सकेंगे : राहुल गांधी

पटना, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हमसे चुनाव चोरी किया गया था। तकरीबन एक करोड़ नए वोटर लोकसभा चुनाव के बाद जोड़े जाते हैं। जितना हमें लोकसभा में मिला, उतना विधानसभा में गया। नए सारे वोट भाजपा के खाते में चले गए। क्योंकि, चुनाव आयोग और भाजपा ने मिलकर वोट चोरी की। हमने साफ दिखाया कि एक क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। हमने डाटा के साथ दिखाया। चुनाव आयोग हमें वोटर लिस्ट नहीं देती। सीसीटीवी नहीं दिखाती। चार महीने, 16–17 घंटे काम कर हमने देश के सामने सबूत रखा। बिहार के युवाओं को मैं कहना चाहता हूं, वोट चोरी का मतलब अधिकार की चोरी, आरक्षण की चोरी, रोजगार की चोरी, शिक्षा की चोरी, लोकतंत्र की चोरी, युवाओं के भविष्य की चोरी। यह आपकी जमीन, आपका राशन कार्ड लेकर अडाणी–अंबानी को दे देंगे। महात्मा गांधी की हत्या करने वाली शक्ति संविधान की हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। हमने बिहार की यात्रा की। बिहार के सारे के सारे युवा खड़े हो गए। छोटे–छोटे बच्चे जीप के पास आते थे, कहते थे वोट चोर, गद्दी छोड़। बीच में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखाते थे। आपने एटम बम का नाम सुना है? एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है। बीजेपी के लोगों तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। पूरे देश को आपकी सच्चाई पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी जी अपना चेहरा देश को नहीं दिखा सकेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध

यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधित करते हुए कहा कि इस 15 दिन की यात्रा पूरे देश में चर्चा चली। भाजपा ने इसमें रुकावट डालने की पूरी कोशिश की। गठबंधन के लोग राहुल जी या तेजस्वी जी नहीं डरे। वोट चोरी करने वाले पैसा चोरी करने की भी आदत रखते हैं। बैंक से चोरी कर बाहर जाने वालों को भी यह संभालते हैं। मोदी जी बिहार में वोट चोरी कराकर जीतना चाहते हैं। सतर्क नहीं रहेंगे तो यह मोदी और शाह आपको डुबा देंगे। आजादी के बाद जो वोट का अधिकार दिलाया गया, ।

समुद्री युद्ध क्षमता में होगा इजाफा, एक लाख करोड़ से नौ पनडुब्बियां खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन की बढ़ती नौसैनिक ताकत के मद्देनजर भारत हिंद महासागर में अपनी समुद्री युद्ध क्षमताओं में लगातार इजाफा कर रहा है। इसी के तहत अगले साल के मध्य तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के दो बड़े पनडुब्बी सौदों को अंतिम रूप दिया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पहली परियोजना तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद की है। इस पर बातचीत चल रही है। इनका निर्माण सरकारी कंपनी मझगांव डॉक लि. (एमडीएल) व फ्रांसीसी कंपनी नेवल ग्रुप की ओर से संयुक्त रूप से किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने करीब 36,000 करोड़ रुपये के इस सौदे को दो वर्ष पहले मंजूरी दे दी थी, पर परियोजना के विभिन्न तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में देरी हुई है। रक्षा मंत्रालय की जिस दूसरी परियोजना पर नजर है, वह लगभग 65,000 करोड़ की लागत से छह डीजल–इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों की खरीद है। इस खरीद को मंत्रालय ने 2021 में ही मंजूरी दी थी। अग्रणी जर्मन जहाज निर्माता कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स ने छह डीजल–इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बियों से जुड़ी परियोजना के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि. के साथ साझेदारी की है। इसे हाल के वर्षों में सबसे बड़ी मेक इन इंडिया पहल में से एक बताया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं के तहत पनडुब्बियों की आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के लगभग छह वर्ष बाद शुरू होगी। चीनी नौसेना के तेजी से आधुनिकीकरण की पृष्ठभूमि में, भारत सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हालांकि, भारत को अपने हित के क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान, दोनों का मुक्काबला करने के लिए वांछित क्षमताओं का तेजी से विकास करना होगा। भारतीय नौसेना अगले दशक में अपनी लगभग 10 पनडुब्बियों को चरणबद्ध तरीके से हटा सकती है और उसी समय–सीमा में उन्हें बदलने की आवश्यकता होगी। भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों और कठिन मौसम में अपनी लड़ाकू तैयारियों को परखने के लिए बड़ा सैन्य अभ्यास किया। यह अभ्यास शनिवार को पूरा हुआ। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि युद्ध कौशल 3.0 नाम के इस अभ्यास ने सेना की उभरती तकनीकों जैसे ड्रोन, सटीक हथियार और मल्टी–डोमेन ऑपरेशन की क्षमताओं को मजबूत किया है। अभ्यास के दौरान ड्रोन से निगरानी, रियल–टाइम लक्ष्य पहचान, सटीक हमले, एयर–लिटोरल डॉमिनेंस और युद्धक्षेत्र में तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया गया। इसमें तकनीक और सैनिकों की पेशेवर क्षमता का शानदार संगम दिखा। अभ्यास की खासियत नई गठित अश्नि प्लाटून का संचालन था, जिसने अगली पीढ़ी की तकनीक को पारंपरिक सैन्य कौशल के साथ जोड़कर भविष्य की जंग में निर्णायक बढ़त हासिल करने का उदाहरण पेश किया।

तृणमूल के विरोध–प्रदर्शन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अनैतिक और अलोकतांत्रिक

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल– तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य के प्रवासियों का श्उत्पीड़नश होने के विरोध में आवाज उठा रही है। कोलकाता में प्रदर्शन के लिए टीएमसी का मंच तैयार किया जा रहा था, जिसे सेना ने कथित तौर पर ध्वस्त कर दिया। सीएम ममता बनर्जी ने सेना के इस कदम को अनैतिक और अलोकतांत्रिक करार दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल प्रवासियों के श्उत्पीड़नश के विरोध में बनाए गए टीएमसी के मंच को सेना द्वारा ध्वस्त कराने के पीछे भाजपा का हाथ है।

विपक्षी दल प्रतिशोध की राजनीति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कोलकाता में टीएमसी के मंच को हटाने से पहले सेना को कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, बस उनसे अपील करती हूं कि वे तटस्थ रहें और भाजपा के हाथों की कठपुतली बनने से बचें।

असम में बंगाली भाषी हिंदू सबसे ज्यादा सुरक्षित, सरकार मुद्दे सुलझाने के लिए कर रही काम : सीएम सरम

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि बीते 10 वर्षों में भाजपा के शासनकाल में बंगाली भाषी हिंदू असम में सबसे ज्यादा सहज और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार इनसे जुड़े सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए काम कर रही है। सीएम सरमा ने यह दावा भी किया कि उनकी सरकार बांग्लादेशियों के अवैध प्रवेश की कोशिशों को लगातार नाकाम कर रही है। सीएम सरमा रविवार को सिलचर में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने कार्यक्रम से इतर कहा, श्हम एक–एक करके बंगाली हिंदुओं की सभी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। हमने उनका आधार कार्ड वापस दिलवाया। उनके खिलाफ नए नागरिकता मामले दर्ज करना बंद कर दिया है। सीएम सरमा ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि इससे पहले किसी भी सरकार ने उतना काम किया है, जितना मैं कर रहा हूं। लेकिन हर काम एक प्रक्रिया के तहत होना चाहिए, वरना अदालत उसे रोक देगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाली भाषी हिंदू बीते 10 वर्षों में भाजपा के शासनकाल में सबसे अधिक सहज रहे हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने जोर देकर कहा कि अब असमिया और बंगाली भाषी लोगों के बीच कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अब अपनी पहचान भाषा से नहीं, बल्कि धर्म से करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि कितने अवैध बांग्लादेशियों को सीमा से वापस भेजा गया है, तो उन्होंने कहा, श्संख्या बताना उचित नहीं है, समय आने पर आंकड़े बताए जाएंगे। सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी त्रिपुरा, मेघालय के दावकी, असम के मनकाचर या श्रीभूमि के रास्ते घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमारे सुरक्षा बल उन्हें वापस भेज रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, श्हम यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि नई घुसपैठ न हो।श सीएम सरमा ने बताया कि कई बिचौलियों की गिफ्तारी भी हुई है।

भारत ने नियमों का पालन किया, रूसी तेल से लाभ नहीं कमाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की लॉन्ड्रोमैट वाली टिप्पणी को सिरे से खारिज किया। उन्होंने साफ कहा कि भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद रूसी तेल खरीदने में कोई नियम नहीं तोड़ा है और भारत की ऊर्जा व्यापार नीति ने वैश्विक बाजार को स्थिर रखने और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद की है।यहां लॉन्ड्रोमैट का मतलब संदिग्ध चीजो को वैध दिखाने की प्रक्रिया या जगह है। पुरी ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख में लिखा कि भारत ने कोई मुनाफाखोरी नहीं की है। उन्होंने बताया कि रूस की ओर से फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले से बहुत पहले से ही भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पाद

निर्यातक रहा है और युद्ध के बाद भी भारत का निर्यात और मुनाफा लगभग समान बना हुआ है। उन्होंने लिखा, कुछ आलोचक आरोप लगाते हैं कि भारत रूसी तेल के लिए 'लॉन्ड्रोमैट' बन गया है। इससे ज्यादा गलत बात कुछ नहीं हो सकती। भारत की ओर से रूसी तेल का आयाद यूक्रेन युद्ध के बाद एक फीसदी से बढ़कर करीब 40 फीसदी पहुंचा, क्योंकि पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत को भारी छूट पर तेल मिलने लगा। इससे भारत को सस्ती उर्जा मिलती रही, लेकिन अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशास ने इसकी आलोचना की और भारत पर आरोप लगाया कि वह रूसी तेल को रिफाइन करके उसे यूरोप के देशो में निर्यात कर रहा है और मुनाफा कमा रहा है। पिछले हफ्ते पीटर नवारो ने एक्स पर कई पोस्ट में यूक्रेन युद्ध को श्मोदी का युद्धश बताया और कहा कि भारत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की श्युद्ध मशीनश को फंड कर रहा है। उन्होंने भारत को एक श्तेल लॉबी के हाथों में पड़ी लोकतांत्रिक लॉन्ड्रीश बताया और प्रधानमंत्री मोदी की भगवा वस्त्रों में तस्वीर भी पोस्ट की। पुरी ने इसका जवाब दिया कि ईरान या वेनेजुएला की तरह रूसी तेल पर कोई सीधा प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने लिखा, रूसी तेल पर जी–7 और यूरोपीय संघ की ओर से एक मूल्य सीमा व्यवस्था लागू की गई है, जिसका उद्देश्य तेल की आपूर्ति को चालू रखना और रूस की आय सीमित करना है। ऐसे 18 पैकेज लाए गए हैं और भारत ने सभी का पालन किया है। पुरी ने जोर देकर कहा कि भारत का हर लेन–देन वैध है।

संपादकीय

जीवन रक्षक पहल

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा–निर्देशों की अवहेलना तथा जुर्माने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

वर्चस्ववादी राजनीति में साम, दाम, दंड, भेद का दौर

मोहन

देश हो या विदेश, राजनीति इन दिनों विशुद्ध शक्ति प्रयोग करने की तैयारियां कर रही है, साम–दाम–दंड–भेद की नीति के अनुसार। जिसका उल्लेख बेशक आप नेता ने किया व पार्टी ने स्वीकारा लेकिन भाजपा की राजनीति में भी अपने नेताओं के लिए तय अनौपचारिक 'कट–ऑफ तारीख' को ठंडे बस्ते में डालना इस रणनीति पर अमल है। विदेशी मोर्चे पर, भारत के प्रति ट्रंप की खुन्नस व अमेरिकी टैरिफ भी शक्ति प्रदर्शन है। यह मौसम साम, दाम, दंड, भेद का है– कड़ी फटकार लगाई थी। बदतर यह कि गुस्साए ग्रामीणों ने आप विध ाायकों को काले झंडे दिखाने शुरू कर दिए थे– वैसे ही जैसे पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान नाराज ग्रामीणों ने भाजपा उम्मीदवारों के साथ किया था। पार्टी में इससे घबराहट की लहर दौड़ गई। तभी तो, अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधि ात करते हुए जब सिसोदिया ने कहा : '2027 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए, साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई, झगड़ा, जो भी करना पड़ेगा, करेंगे। बोलो तैयार हैं? जोश से बोलो!' यानि

यह सूक्ति महान रणनीतिकार चाणक्य की दी हुई बताई जाती है, जिनके लिए कहा जाता है कि ईसा से तीन शताब्दी पूर्व, राजा नंद को हटाना और चंद्रगुप्त मौर्य को सत्ता में स्थापित करना, दोनों की रणनीति उन्होंने बनाई थी। मौर्य वंश का राज 135 वर्ष चला, और इसके राजाओं ने जिस कूटनीति पर अमल करके शासन चलाया, उसका अर्थ निकलता है : 'वार्ता, रिश्वत, दंड और कमजोरी खोजना'। अवश्य ही यह श्रेय आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया को दिया जाए, जिन्होंने अगस्त की शुरुआत में इस मुहावरे को फिर से उभारा। इससे कुछ ही दिन पहले पंजाब की 'आप' सरकार ने अपनी सबसे महत्वाकांक्षी योजना –लैंड पूलिंग नीति–जिसका मंतव्य राज्य में शहरीकरण को बढ़ावा देना था–वापस ले ली थी। हाईकोर्ट ने इस नीति पर सत्तारूढ़ दल को 2027 चुनाव जीतने को जो भी हथकंडा अपनाना पड़े, उससे परहेज नहीं। इससे राजनीतिक रूप से सख्त मिजाज परिदृश्य वाले इस इलाके में सिहरन सी दौड़ गई। इससे पहले किसने खुलेआम ऐसा कहा? भाजपा के सुनील जाखड़ ने चुनाव आयोग से चाणक्य के मंत्र को लेकर शिकायत की, लेकिन 'आप' प्रदेशाध्यक्ष अमन अरोड़ा ने इस तंज का जवाब देते हुए पूछा : 'क्या हर राजनीतिक दल अंदरखाते वही सब नहीं करता, जिसको 'आप' सरेआम करना कबूल कर रही है?' अरोड़ा सही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को छोड़कर, जिनकी राजनीति आमतौर पर उन लोगों पर केंद्रित है जिनके मुद्दों से वे सर्वाधिक जुड़ाव महसूस कर रहे हैं – अत्यंत गरीब, सबसे पिछड़े और अति वंचित वर्ग, जैसे बिहार के कटिहार क्षेत्र के मखाना किसान, जहां से होकर उनकी 'मतदान का अधिकार' रैली हाल में गुजरी–

देश हो या विदेश – राजनीति इन दिनों विशुद्ध सत्ता प्रयोग के लिए तैयारियां कर रही है। मोहन भागवत और डोनाल्ड ट्रंप, दोनों का मामला यहां प्रासंगिक हैं। अगले माह 75 साल के होने जा रहे आरएसएस मुखिया ने बीते गुरुवार एक असामान्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई दिलचस्प बिंदुओं पर बातें की – इसमें सबसे रोचक थी भाजपा की राजनीति में अनौपचारिक 'कट–ऑफ तारीख' (वानप्रस्थ तिथि) को लेकर, 75 वर्ष का होने पर नेता को 'मार्गदर्शक मंडल' नामक वृद्धाश्रम में भेज दिया जाता है– जैसे लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और नजमा हेपतुल्लाह के साथ हुआ था –लेकिन अब इस अघोषित नियम को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसका मतलब है, भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दोनों यथावत रहेंगे – मोदी भी सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। एक प्यारी सी लघुकथा आरएसएस नेता मोरोपंत पिंगले के बारे में है, जिन्हें अपने 75वें जन्मदिन पर शॉल भेंट कर 'वानप्रस्थ' भेज दिया गया था, उस हिसाब से अब वही होना चाहिए– लेकिन वह नियम अब आरएसएस अभिलेखागार में प्यारी सी लघुकथा बन दफन हो जाएगा। मोहन भागवत जानते हैं कि आरएसएस का प्रभाव बढ़ाने के लिए, खासकर उसकी स्थापना के 100वें वर्ष में, मोदी से ज़्यादा काम किसी ने नहीं किया। यदि भाजपा अध्यक्ष के नाम पर उनके साथ कोई मतभेद रहा भी होगा, जिसपर नियुक्ति एक साल से ज़्यादा से लंबित है, उसे जल्द सुलझा लिया जाएगा– आरएसएस प्रमुख ने इतना तो स्वीकार किया – वह भी मोदी के पक्ष में होगा। डोनाल्ड ट्रंप भी कुछ अलग नहीं । महज पांच साल पहले तक प्रधानमंत्री के सबसे अच्छे दोस्त रहे ट्रंप और उनके सलाहकारों ने अब मोदी और भारत पर हमला करने का बीड़ा उठा लिया। जैसा कि फ्रांस में राजदूत रहे जावेद अशरफ ने भी इस अखबार के टिप्पणी पृष्ठ पर छपे अपने लेख में समझाया था, भारत के प्रति ट्रंप की खुन्नस दरअसल उनका विशुद्ध शक्ति प्रदर्शन है। ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया को तीन बड़े देश चलाएं– अमेरिका, चीन और रूस। उन्हें इतनी सी बात समझ नहीं आ रही कि भारत जैसा देश उनके आगे झुकने से क्यों और कैसे इनकार कर सकता है। इसलिए वे भारत को झुकने से इन्कार करने की सजा दे रहे हैं। ट्रंप एवं मंडली को भारत की मानसिकता की समझ कम ही है। यूक्रेन युद्ध का दोष मोदी पर मढ़कर (इसे 'मोदी का युद्ध' बताकर), जो एक वाहियात आरोप है, वे देश को मोदी के पीछे एकजुट करने में कामयाब रहे हैं, जो प्रध ानमंत्री के रूप में उनके 11 वर्षों में पहले कभी नहीं हुआ। बदलाव के तौर पर,'विदेशी शक्ति का हाथ सिद्धांत', जिसका अनुमोदन इंदिरा गांधी से मोदी तक, कई प्रधानमंत्रियों ने किया, सच निकलादृ सिवाय इसके कि यह 'विदेशी हाथ' बेहुदा है। मई में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत–पाक युद्धविराम की मध्यस्थता का श्रेय लेने के अमेरिकी दावे पर मुहर लगाने से मोदी का इनकार – वही है जो एक राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठा बचाने को करेगा। संयम, ही आपका सबसे बड़ा हथियार होगा। कभी महात्मा गांधी ने इसका इस्तेमाल दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के खिलाफ किया था, अब मोदी इसका उपयोग सबसे दुर्जेय शक्ति के खिलाफ कर रहे हैं। यही कारण है कि नये समझौते की आस रखे बिना मोदी तिआनजिन में ड्रैगन (चीन) की मांद में गये हैं। चीनी और भारतीय सैनिक और उनकी बख्तरबंद टुकड़ियां पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार आमने–सामने तैनात हैं – लेकिन मोदी पहले ही जीत चुके हैं। उन्होंने अमेरिकियों के सामने झुकने से इनकार कर दिया, जबकि उनके अधिकारी वाशिंगटन में अपने समकक्षों से विनम्रतापूर्वक समझौते का प्रस्ताव रख रहे हैं। मोदी के सहयोगियों ने व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की, जोकि आपसी संबंधों की पुनः पुष्टि है। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार संधि पर नए सिरे से ध्यान दिया जा रहा है। साम, दाम, दंड, भेद! मोदी के स्वदेश लौटने के बाद, कड़ी मेहनत शुरू होगी –एक तरफ भारत–अमेरिका संबंधों को कैसे सुध ारा जाए तो दूसरी तरफ चीन–भारत संबंधों में कैसे सुधार लाया जाए। अमेरिकी इतने शक्तिशाली हैं कि आप उन्हें एक हद से आगे नाराज नहीं कर सकते – भारत यह जानता है। डोनाल्ड ट्रंप को शांत करने के लिए भारतीयों को हरेक चतुराई और अनुकूल दिखने की जरूरत होगी, जिसमें वे माहिर हैं। जहां तक मोदी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी की बात है, भाजपा खुश होगी कि अपनी राजनीति को नए सिरे से गढ़ने की प्रक्रिया में वे एक लंबा खेल खेल रहे हैं – जिसमें मखाने के खेतों से बेदखल लाभार्थी भी शामिल हैं। लगातार तीन आम चुनाव और कई राज्यों में विध ानसभा चुनाव हारने के बाद, राहुल की अग्निपरीक्षा सामने है। अगर बिहार में कांग्रेस–राजद गठबंधन नाकाम रहता है, तो नाखुश कांग्रेसी दबी जुबान पूछेंगे कि एक जीत पाने से पहले पार्टी को कितने चुनाव हारने पड़ेंगे? पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) खुद को दूध का धुला दिखाने का प्रपंच नहीं कर रही। इसीलिए, लैंड पूलिंग नीति वापस लिए जाने के बाद, अपनी सत्ता वाले एकमात्र राज्य में, वह बाढ़ प्रभावितों की मदद के हर संभव प्रयास कर रही है। वे जानते हैं कि केंद्र के विभिन्न फरमान – बेहद कम दाम पर गेहूं पाने वाले 1.53 करोड़ लाभार्थियों को बाहर करना और प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय योजनाओं को बढ़ावा देना– राज्य में भाजपा के प्रभाव को बढ़ाने का बहाना और ढंग है। कुल मिलाकर, इन योजनाओं को बढ़ावा देने वाले खेमे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साम, दाम, दंड, भेद– स्पष्ट रूप से चाणक्य के अर्थशास्त्र का यह सिद्धांत इन दिनों मशहूर है, ऐसा अवश्य पठनीय उपन्यास, जिसके समक्ष मैक्यावली के बताए तरीके बच्चों का खेल लगते हैं।

श्रम पथ अनुसरण से ही कायाकल्प संभव

सोहन

आज के युवा केवल उच्च स्तरीय जीवन और आकर्षक नौकरी को लक्ष्य मान रहे हैं। सवाल है कि क्या वे नए आयामों को छूने और एक सम्पूर्ण नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हैं? पिछले दिनों केंद्र और राज्य स्तर पर शिक्षा क्रांति, नए शैक्षिक मॉडल तथा सभी नागरिकों को शिक्षित करने की दिशा में अनेक प्रयास हुए हैं। इसमें संदेह नहीं कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह देखकर हर्ष होता है कि अब देश की बालिकाएं भी शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। हालांकि, केवल छात्रों की संख्या में वृद्धि या सरकारों द्वारा शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का अधिक प्रतिशत व्यय करने से ही युवा पीढ़ी की सफलता की गारंटी नहीं दी जा सकती। हाल ही में शिक्षा क्षेत्र की जो मूल्यांकन रिपोर्ट सामने आई है, वह चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल कक्षा उत्तीर्ण कर लेना ज्ञान प्राप्ति का प्रमाण नहीं माना जा सकता। आठवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों का ज्ञान स्तर दूसरी से चौथी कक्षा के विद्यार्थियों के समकक्ष पाया गया। एक ऐसा देश जो आने वाले वर्षों में डिजिटल, इंटरनेट और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी बनना चाहता है, उसके लिए यह स्थिति निराशाजनक है। उच्च शिक्षा में भी अधिकतर छात्र परंपरागत डिग्रियों के पीछे भाग रहे हैं। देश में मौलिक शोध की स्थिति भी अत्यंत दयनीय बताई गई है। डिग्रियां प्राप्त करने के बावजूद युवाओं में न तो व्यक्तित्व विकास हुआ है, न ही व्यवहार या नैतिक मूल्यों में कोई संतोषजनक परिवर्तन देखा गया है। हर व्यक्ति त्वरित सफलता की होड़ में लगा है। यह भी सत्य है कि आज का भौतिक युग युवा वर्ग के सपनों को चकाचौंध से भर रहा है। हम उस अंधी दौड़ का हिस्सा बन गए है।

.... विविध ....

नई रिसर्च में दावा हार्ट अटैक के बाद दी जाने वाली दवा बीटा-ब्लॉकर्स महिलाओं के लिए हो सकती है खतरनाक

पिछले 40 वर्षों से हृदयाघात (हार्ट अटैक) के बाद मरीजों को दी जाने वाली आम दवा बीटा–ब्लॉकर्स (ठमजं ठसवबामते) को लेकर एक नई रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यह स्टडी बताती है कि यह दवा कुछ मरीजों को लाभ नहीं पहुंचाती, जबकि खासतौर पर महिलाओं में इसके सेवन से मौत, दोबारा हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

रिसर्च में क्या कहा गया?

यह अध्ययन यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी कांग्रेस जो मैड्रिड में आयोजित हुई, में प्रस्तुत किया गया और इसे और म्नतवचमंद भ्मंतज श्रवनतदंस में भी प्रकाशित किया गया। रिसर्च में पाया गया कि जिन महिलाओं को हार्ट अटैक के बाद बीटा–ब्लॉकर्स दी गईं, उनमें मौत या दोबारा अटैक का खतरा बढ़ गया। वहीं पुरुषों में इस दवा का ऐसा कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं देखा गया।

अध्ययन की मुख्य बातें

इस स्टडी में स्पेन और इटली के 109 अस्पतालों से कुल 8,505 मरीजों को शामिल किया गया। मरीजों को दो समूहों में बांटा गयारू एक समूह को बीटा–ब्लॉकर्स दी गईं और दूसरे समूह को यह दवा नहीं दी गई। दोनों समूहों को बाकी सभी मानक इलाज जैसे ब्लड थिनर, स्टेंट आदि समान रूप से दिए गए। मरीजों की निगरानी लगभग 4 साल तक की गई।

नतीजे

कुल मिलाकर दोनों समूहों में मौत, दोबारा हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर की घटनाओं में कोई बड़ा फर्क नहीं था। लेकिन महिलाओं में बीटा–ब्लॉकर्स लेने वाली महिलाओं में 2.7: ज्यादा मौत का खतरा पाया गया। इनके अलावा, इन महिलाओं में अस्पताल में भर्ती होने और दोबारा हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ा।

बीटा–ब्लॉकर्स के संभावित साइड इफेक्ट्स

थकान महसूस होना

दिल की धड़कन धीमी होना

यौन दुर्बलता

मूड में बदलाव

महिलाओं पर इसका असर क्यों अलग होता है?

महिलाओं के दिल की संरचना पुरुषों से अलग होती है।

वे ब्लड प्रेशर की दवाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं।

महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण पुरुषों से अलग होते हैं, जैसे पीठ में दर्द, सांस फूलना, अपच आदि, जबकि पुरुषों में सामान्यतः सीने में तेज दर्द होता है।

किन मरीजों को अभी भी बीटा–ब्लॉकर्स की जरूरत है?

रिसर्च में शामिल मरीजों की दिल की पंप करने की क्षमता 40% से अधिक थी, यानी उनका दिल अच्छी तरह काम कर रहा था। ऐसे मरीजों में बीटा–ब्लॉकर्स का कोई विशेष फायदा नहीं मिला। लेकिन जिन मरीजों की मरमबजपवद तिंबजपवद 40: से कम है, यानी जिनका दिल कमजोर है, उन्हें अब भी यह दवा लाभ पहुंचा सकती है।

यह नई रिसर्च हार्ट अटैक के बाद बीटा–ब्लॉकर्स के उपयोग पर पुनर्विचार करने की सलाह देती है, खासकर महिलाओं के मामले में। मरीजों को बिना डॉक्टर की सलाह के दवा बंद या शुरू नहीं करनी चाहिए और अपनी सेहत के लिए नियमित जांच कराते रहना चाहिए।

गणपति बप्पा को विदाई देने के बाद कहां रखें नारियल

गणपति उत्सव गणेश चुतर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक चलता है। इस दौरान जगह–जगह पर गणेश जी का भव्य पंडाल सजाया जाता है और बप्पा के मंदिरों में खास पूजा–अर्चना की जाती है। हालांकि गणेश विसर्जन के बाद कई लोगों को यह समझ नहीं आता कि नारियल, कलश जल और दुर्वा जैसी पूजन सामग्री का क्या करना चाहिए। शास्त्रों में इनके लिए विशेष नियम बताए गए हैं। आइए विस्तार से समझते हैं।

गणेश विसर्जन के बाद पूजन सामग्री का सही उपयोग

विसर्जन के समय जो नारियल गणपति जी को अर्पित किया जाता है, उसे विसर्जन के बाद घर में प्रसाद के रूप में बांटना चाहिए। इसे परिवार क बीच साझा करना शुभ माना जाता है। इससे घर में संपन्नता और सुख–समृद्धि बनी रहती है। पूजन में रखा हुआ कलश बहुत पवित्र माना जाता है। इस जल को ज्नसेप या पीपल के पेड़ की जड़ों में अर्पित करें या घर के मंदिरध्आंगन में छिड़क दें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

दुर्वा (घास) को लेकर करें ये उपाय

गणपति जी को अर्पित दुर्वा बहुत पवित्र मानी जाती है। विसर्जन के बाद इसे किसी पवित्र नदी, तालाब या पीपल के पेड़ की जड़ में छोड़ देना चाहिए। चाहें तो कुछ दुर्वा सुखाकर अपने पूजा स्थान में रख लें, यह संकट निवारण और बुरी नजर से बचाने वाला उपाय माना जाता है।

गणपति विसर्जन के समय ध्यान रखने योग्य बातें

विसर्जन से पहले आरती, मंत्रोच्चार और भजन अवश्य करें। गणपति जी को विदा करते समय उनसे प्रार्थना करें कि– ष्जल्दी वापस आने का वचन दें, घर–परिवार पर आशीर्वाद बनाए रखोंष। विसर्जन के समय शोर–शराबा और नशा न करें, यह अशुभ माना जाता है। कोशिश करें कि इको–फ्रेंडली विसर्जन ही करें ताकि पर्यावरण को नुकसान न हो। अगर नारियल, कलश जल और दुर्वा को इस तरह से श्रद्धा और नियमों के अनुसार रखा जाए तो घर–परिवार पर सालभर णपति बप्पा की कृपा, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

अब अनचाहे तिल नहीं बिगाड़ेंगे खूबसूरती, अपनाएं ये आसान घरेलू नुस्खे

हमारी त्वचा पर अचानक उभरने वाले अनचाहे तिल या मस्से अक्सर हमारी खूबसूरती और आत्मविश्वास पर असर डालते हैं। खासकर अगर ये चेहरे, गर्दन या हाथों जैसे दिखने वाले हिस्सों पर हों, तो कई लोग असहज महसूस करने लगते हैं। आयुर्वेद और ज्योतिष के अनुसार, तिल केवल सौंदर्य का हिस्सा ही नहीं बल्कि हमारे व्यक्तित्व और जीवन की शुभ–अशुभ घटनाओं का संकेत भी माने जाते हैं। लेकिन जब ये अनचाहे और बड़े आकार के हो जाते हैं, तो इन्हें कम करना जरूरी हो जाता है। कुछ साधारण घरेलू नुस्खों की मदद से आप तिल और मस्सों को सुरक्षित तरीके से हल्का या खत्म कर सकते हैं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका तिल और मस्सों को हल्का करने का एक लोकप्रिय घरेलू उपाय माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एसिडिक गुण त्वचा की ऊपरी परत पर काम करके तिल को धीरे–धीरे सुखाने और उसके रंग को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए रुई को सिरके में भिगोकर तिल पर लगभग 15दृ20 मिनट रखें और फिर धो लें। अगर यह प्रक्रिया रोजाना दोहराई जाए तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा साफ नजर आती है।

नारियल तेल

नारियल तेल को त्वचा का सबसे प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार माना जाता है। इसमें मौजूद मॉइस्चराइजिंग तत्व त्वचा को मुलायम और पोषित रखते हैं, जबकि इसके एंटीबैक्टीरियल गुण तिल और मस्सों को धीरे–धीरे हल्का करने में मदद करते हैं। अगर रोजाना तिल वाले हिस्से पर हल्के हाथों से नारियल तेल की मालिश की जाए, तो समय के साथ तिल का रंग फीका पड़ने लगता है और त्वचा पहले से अधिक साफ और सुंदर दिखने लगती है।

प्याज और लहसुन

प्याज और लहसुन दोनों में ऐसे प्राकृतिक एंजाइम पाए जाते हैं जो त्वचा की ऊपरी परत को सुखाकर तिल और मस्सों को धीरे–धीरे खत्म करने का काम करते हैं। प्याज का रस तिल पर लगाने से उसका रंग हल्का होने लगता है, वहीं लहसुन की कली का पेस्ट बनाकर रातभर तिल पर लगाने से यह धीरे–धीरे सूखने लगता है। नियमित उपयोग से यह उपाय तिल कम करने में कारगर साबित हो सकता है।

अलसी का तेल

अलसी का तेल त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है और जब इसे शहद के साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है, तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। इस मिश्रण को तिल या मस्से पर रोजाना लगाने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगता है। अलसी का तेल त्वचा को गहराई तक पोषण देता है और शहद के एंटीबैक्टीरियल गुण मस्सों को हल्का करने में मदद करते हैं। लगातार उपयोग से तिल और मस्से धीरे–धीरे सूखकर कम होने लगते हैं।

आलू

आलू में प्राकृतिक एसिड और एंजाइम पाए जाते हैं, जो त्वचा पर बने धब्बों और तिलों को सुखाकर हटाने में मदद करते हैं। तिल पर आलू की कटी हुई फांक को हल्के हाथों से रगड़ने से उसका रस त्वचा पर काम करता है और तिल ध ीरे–धीरे हल्का पड़ने लगता है। दिन में कई बार ऐसा करने से मस्से सूखकर गिर भी सकते हैं। यह उपाय पूरी तरह प्राकृतिक और बिना किसी साइड इफेक्ट के होता है।

शहद और हल्दी

शहद और हल्दी का संयोजन त्वचा को निखारने और तिलों को हल्का करने का एक बेहतरीन घरेलू उपाय है।

ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम चौपालों का व्यापक आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में प्रदेश के ग्रामीण अंचलों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक विकास खंड की दो ग्राम पंचायतों में हर शुक्रवार को ग्राम चौपाल (गांव की समस्याद् गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है। इन चौपालों के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की समस्याओं का निस्तारण गांव में ही किया जा रहा है।सरकार का यह प्रयास है कि ग्रामीणों को समाधान के लिए भटकना न पड़े, बल्कि डबल इंजन सरकार स्वयं गांव और गरीबों तक पहुंचे। चौपालों से न केवल गांवों में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आ रही है, बल्कि सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के क्रियान्वयन की गति भी तेज हो रही है।उप मुख्यमंत्री मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम चौपालों का आयोजन नियमित और प्रभावी ढंग से किया जाए। इसके लिए ठोस रूपरेखा बनाई गई है। चौपालों से पूर्व गांवों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाता है और आयोजन का व्यापक प्रचार–प्रसार भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इन चौपालों में व्यक्तिगत समस्याओं के साथ–साथ सामूहिक व सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान किया जाता है।ग्राम्य विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को प्रदेश की 1261 ग्राम पंचायतों में चौपालों का आयोजन किया गया। इनमें 2943 प्रकरणों का निस्तारण ग्राम पंचायत स्तर पर ही कर दिया गया। इन चौपालों में 3201 ब्लॉक स्तरीय अधिकारी–कर्मचारी और 5495 ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे, जबकि 60 हजार से अधिक ग्रामीणों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की।आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि बीते ढाई वर्षों से ग्राम चौपालों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 58 हजार से अधिक ग्राम चौपालें संपन्न हो चुकी हैं, जिनमें 5 लाख 49 हजार से अधिक समस्याओं और प्रकरणों का समाधान किया जा चुका है।

विमुक्ति दिवस पर भारतीय समाज दल की मांग– 12.5प्रतिशत आरक्षण और सेनानी पेंशन की व्यवस्था हो

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय समाज दल के तत्वावधान में रविवार को उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में विमुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में विमुक्ति जनजातियों (राजभर, लोधी, निषाद, पासी) के विकास और उत्थान के लिए सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं।सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायण राजभर ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के दौरान राजभर, लोधी, निषाद और पासी जैसी जातियां अंग्रेजों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह करती थीं। नवाबों और तालुकेदारों की सेनाओं में भी इन समाजों के लोग अंग्रेजी सत्ता से लोहा लेते थे, जिसके कारण अंग्रेज इन्हें सबसे बड़ा खतरा मानते थे। इसी कारण अंग्रेजों ने 1871 में कुख्यात क्रिमिनल ट्राइब एक्ट लागू किया और 1924 तक 13 कठोर कानून बनाकर इन समाजों को दमन की चरम स्थिति में पहुँचा दिया।उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत इन समाजों की जमीनें छीनी गईं, शिक्षा और आजादी का अधिकार छीन लिया गया और यहां तक कि जन्म लेने वाला हर शिशु जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया जाता था। परिणामस्वरूप यह समाज मुख्यधारा से कटकर जंगलों और नदी–नालों के किनारे रहने को विवश हो गया। यही कारण है कि आजादी के 78 साल बाद भी यह समाज पिछड़ेपन और वंचना का शिकार है।राजभर ने मांग की कि उत्तर प्रदेश सरकार विमुक्ति जनजातियों के लिए 12.5 प्रतिशत आरक्षण लागू करे। साथ ही, जिनके पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई में जेल, काला पानी और फांसी की सजा झेली, उनके वंशजों को सेनानी पेंशन और मान–सम्मान दिया जाए।प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय महासचिव सुशील कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप कुमार मिश्रा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दी खान, सुहेलदेव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव कुमार वर्मा, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष प्रीति वर्मा, राष्ट्रीय सलाहकार रामदयाल कश्यप, लखनऊ मंडल अध्यक्ष हरिकृष्ण पासी, लखनऊ महानगर अध्यक्ष मोहित मिश्रा और प्रदीप पाण्डेय सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिकृष्ण पासी ने की और संचालन प्रदीप मिश्रा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

चीन पर बढ़ती निर्भरता को लेकर अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चीन से बढ़ते आयात और उसके भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे असर को लेकर भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार जैसे भाजपा के नारे खोखले साबित हो रहे हैं, क्योंकि हकीकत यह है कि चीन पर भारत की निर्भरता लगातार बढ़ रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि चीन के माल से भारतीय बाजार भरते जा रहे हैं, जिसका सीधा असर देश के उद्योगों, कारखघनों और दुकानों पर पड़ रहा है। परिणामस्वरूप बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब चीन पर निर्भरता चरम पर होगी, तब वह मनमाने दाम पर सामान बेचेगा, जिससे महंगाई और बेरोजगारी और अधिक बढ़ेगी।सपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार चीन की हर गलत हरकत को अनदेखा करने को मजबूर है। "जब चीन हमारी जमीन पर कब्जा बढ़ाता जाएगा तो भाजपा यही कहेगी कि 'न कोई घुसा है और न कोई घुस आया है'।"उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि दिल्ली में बैठे 'ड्रोनवाले' इस सच्चाई को नहीं समझ पा रहे हैं, तो यूपी में बैठे 'बुलडोजर वाले प्रवासी जी' ही बता दें कि चीन ने अब तक हमारी कितनी जमीन हड़प ली है, क्योंकि उनका अपना मूल निवास स्थान भी चीनी कब्जे का शिकार हुआ है।अखिलेश यादव ने भाजपा से सवाल किया कि देश का क्षेत्रफल सरकार आने से पहले जितना था, क्या उतना ही अब भी है या चीन के कब्जे से घट गया है? उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "भूमि का पलायन थोड़े ही होता है, जो चलकर कहीं और चली जाए।"

बेहटा में मकान में विस्फोट, दंपति की मौत, पांच लोग घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के थाना गुड़म्बा क्षेत्र के बेहटा में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक मकान में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, एसडीआरएफ और बीडीडीएसटी की टीमों को तत्काल राहत व बचाव कार्य के लिए बुलाया गया। उच्चाधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी की।पुलिस ने बताया कि इस हादसे में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान आलम (50 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय खुदा बख्श, और उनकी पत्नी मुन्नी (48 वर्ष) के रूप में हुई है।घायल व्यक्तियों में आलम का पुत्र इरशाद (22 वर्ष) और नदीम पुत्र शरीफ (24 वर्ष) शामिल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं अन्य तीन घायलोजैद (35 वर्ष), इरम (32 वर्ष) और हूरजहां (25 वर्ष)कृको प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।फिलहाल राहत व बचाव कार्य जारी है और पुलिस विस्फोट के कारणों की जांच में जुटी है।

बीबीएयू में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान, फिटनेस व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। उन्होंने साइकिलिंग को सतत परिवहन का साधन बताते हुए कहा कि यह न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने युवाओं को दैनिक जीवन में साइकिलिंग को शामिल करने की सलाह दी।कार्यक्रम संयोजक ले. (डॉ.) मनोज कुमार डडवाल ने प्रतिभागियों को फिट इंडिया मूवमेंट से जोड़ते हुए प्रेरित किया कि वे अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से साइकिलिंग अपनाएं। खेल अनुभाग के प्रभारी निदेशक प्रो. के.एल. महावर ने भी कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।इस अभियान में प्रो. बी.सी. यादव, प्रो. विपिन सक्सेना, डॉ. ओ.पी. सैनी सहित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। आयोजन ने न केवल फिटनेस और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का संदेश दिया, बल्कि विश्वविद्यालय परिसर में सामुदायिक भावना को भी मजबूत किया।

बक्शी का तालाब पुलिस ने चौन स्नैचिंग का पर्दाफाश कर शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र में क्राइम टीम और सर्विलांस टीम (डीसीपी उत्तरी) की संयुक्त कार्रवाई में चौन स्नैचिंग की दो बड़ी वारदातों का सफल अनावरण हुआ। पुलिस ने इस मामले में सलमान पुत्र अबरार अहमद (32 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से नगदी और मोटरसाइकिल बरामद हुई।जानकारी के अनुसार, दिनांक 27 अगस्त 2025 को शाम करीब 8 बजे बीकेटी बाजार में एक महिला से सलमान और उसके साथी सिद्धार्थ ने झपट्टा मारकर सोने की चौन छीन ली थी। इस घटना की शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मुखबिर खास की सूचना पर क्राइम टीम ने मामपुर बाना कट किसान पथ पर घेराबंदी कर अभियुक्त सलमान को दबोच लिया।गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में स्वीकार किया कि अप्रैल माह में उसने और उसके साथी सिद्धार्थ ने आद्या लॉन के सामने एक महिला का मंगलसूत्र छीन लिया था, जिसे बाद में किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया गया। आरोपी ने यह भी बताया कि घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल उसकी है, जिसे उसने किसी महिला के नाम पर पंजीकृत करवाया था।सलमान के कब्जे से 17,400 रुपये नगद और मोटरसाइकिल संख्या बरामद की गई। उसके खिलाफ थाना बीकेटी में मु0अ0सं0 17322025 और 352/2025 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमे दर्ज हैं।अभियुक्त का आपराधिक इतिहास गंभीर है और उसके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी, डकैती, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तारी में क्राइम/सर्विलांस टीम डीसीपी उत्तरी के प्रभारी उ0नि0 विश्वनाथ प्रताप सिंह और थाना बीकेटी पुलिस टीम के वरिष्ठ उपनिरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। टीम में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र मिश्रा, अशोक कुमार यादव, शेषमणि मिश्र, हेड कांस्टेबल आशीष सिंह और कांस्टेबल अम्ब्रीश सिंह, सचिन यादव शामिल थे।पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय चौन स्नैचरों को स्पष्ट संदेश गया है कि अपराध करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है और पुलिस सतर्क है।

संक्षिप्त खबरें

बसपा बिहार चुनाव में अकेले लड़ेगी, मायावती ने दी पूरी ताकत झोंकने की हिदायत

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने घोषणा की है कि बसपा इस बार अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पिछले दो दिनों से वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ चली गहन बैठक में उम्मीदवारों के चयन, संगठन की मजबूती और चुनावी कार्यक्रमों की अंतिम रूपरेखा पर चर्चा हुई।मायावती ने बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी मुस्तैदी, तन–मन–धन से चुनाव की तैयारी में जुटें और अब तक की कमियों को दूर करें। उन्होंने बताया कि अगले महीने की शुरुआत से बिहार में पार्टी की यात्रा और जनसभा कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा, जिसकी विशेष जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, केंद्रीय कोऑर्डिनेटर व राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और बसपा बिहार स्टेट यूनिट को सौंपी गई है।बसपा प्रमुख ने कहा कि बिहार एक बड़ा और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है, इसलिए सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर अलग–अलग वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि बदलते राजनीतिक हालात और समीकरणों को देखते हुए बसपा चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल करेगी।मायावती ने यह भी उल्लेख किया कि बिहार से पहले उड़ीसा और तेलंगाना में पार्टी संगठन की तैयारी का जायजा लिया गया है। वहां उत्तर प्रदेश पैटर्न पर जिला से लेकर बूथ स्तर तक समितियों के गठन और जनाधार बढ़ाने के मिशनरी कार्यों की समीक्षा उन्होंने स्वयं की है। क्या आप चाहेंगे कि मैं इस खबर को और राजनीतिक विश्लेषण के साथ लिख दूं, ताकि इसमें यह भी स्पष्ट हो सके कि बसपा के अकेले लड़ने के फैसले का बिहार की राजनीति पर क्या असर पड़ सकता है?

रहीमाबाद पुलिस ने लूट और चोरी की योजना बना रहे चार अपराधियों को गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के रहीमाबाद थाने की पुलिस टीम ने लूट और चोरी की योजना बना रहे चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और ताला तोड़ने के उपकरण बरामद किए गए।घटना की जानकारी के अनुसार, उपनिरीक्षक आशीष कुमार शुक्ला को सूचना मिली कि प्राथमिक विद्यालय रसूलाबाद के परिसर में कुछ संदिग्ध युवक झुंड बनाकर बैठे हैं और आपस में लूट और चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना रहीमाबाद की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चारों अपराधियों को दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपियों में अतीक (50 वर्ष), मतीन (21 वर्ष), मारूफ (19 वर्ष) और गुफरान (20 वर्ष) शामिल हैं। इनके कब्जे से एक अदद अवैध देशी तमंचा (.315 बोर), दो जिंदा कारतूस, बड़ी टॉर्च, हेक्सा ब्लेड, हथौड़ी, छैनी, सब्बल, चाबियों के गुच्छे, पेचकस, प्लास और अन्य औजार बरामद किए गए।अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी गंभीर है। अतीक पर पहले अपहरण, चोरी और अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं, जबकि गुफरान पर पाक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है।थाना रहीमाबाद की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मु0अ0सं0 134/2025 धारा 313 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

लखनऊ में आईसीएआई की राष्ट्रीय संगोष्ठी जागृति का भव्य आयोजन, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने लिया हिस्सा

लखनऊ, (संवाददाता)। पेशेवर विकास समिति द्वारा आयोजित और आईसीएआई की सीआईआरसी लखनऊ शाखा के सहयोग से होटल दयाल गेटवे, लखनऊ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'जागृति' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से 800 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में आईसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सीए. चरणजोत सिंह नंदा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।संगोष्ठी में आईसीएआई के केंद्रीय परिषद के कई सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें सीए. मंगेश पी. किनारे, सीए. (डॉ.) अनुज गोयल, सीए. ज्ञान चंद्र मिश्रा (कार्यक्रम निदेशक), सीए. राजेंद्र कुमार पी. और सीए. जय छैरा शामिल थे।मुख्य अतिथि सीए. चरणजोत सिंह नंदा ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों के लिए आईसीएआई की छात्रवृत्ति योजनाओं में विस्तार का भी उल्लेख किया, जिसे ₹100 करोड़ से बढ़ाकर 500 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारा सहायक उपकरण है, न कि प्रतियोगी, और इसका सही उपयोग करके कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।सीए. नंदा ने सम्मेलन में उपस्थित महिला सदस्यों की सराहना की और कहा कि भारत पर लगाए गए अंतरराष्ट्रीय टैरिफ भारत के विकास में बाधा नहीं बनेंगे। इसके साथ ही आईसीएआई की केंद्रीय परिषद द्वारा जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित करने का उदाहरण देते हुए उन्होंने राष्ट्र के प्रति एकजुटता का संदेश भी दिया।आईसीएआई लखनऊ चौप्टर के अध्यक्ष सीए. अनुराग पांडे ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को अपनी सेवाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।संगोष्ठी में आठ सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न पेशेवर विषयों पर चर्चा हुई। प्रमुख सत्रों में ऑडिट रिपोर्टिंग मानक, पूंजी बाजार में अवसर, पेशेवर से प्रोप्रेन्योर में संक्रमण, आयकर मूल्यांकन, एमएसएस एवं एसएसपी पोर्टल, बाधाएं तोड़ने व सफलता के लिए रणनीतियां, AI को नए साझेदार के रूप में उपयोग और जीएसटी कानून

एवं न्यायिक प्रवृत्तियों पर गहन विचार–विमर्श शामिल थे।कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सीए. चारु खन्ना, सचिव सीए. ऋषभ मिश्रा, कोषाध्यक्ष सीए. आशीष गुप्ता, सीआईसीएएसए अध्यक्ष सीए. अश्विनी जायसवाल और कई अन्य कार्यकारी समिति सदस्य उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अनुभव साझा किया और व्यावसायिक दृष्टिकोण से नए मार्गदर्शन प्राप्त किया।यह आयोजन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए ज्ञान, नेटवर्किंग और व्यावसायिक उत्कृष्टता को बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

अंदर राजधानी में दो धमाके, हर साल होती रही हैं मौतें

लखनऊ, (संवाददाता)। गुडंबा के बेहटा गांव में रिहायशी इलाके में आलम के घर के अंदर पटाखे बनाने का कारोबार चल रहा था। इस बात की भनक न तो पुलिस को थी और ना ही प्रशासन को। लोकल इंटेलिजेंस यूनिट की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। बेहटा की घटना मात्र बानगी है। शहर और गांव में जगह–जगह अवैध रूप से पटाखे बनाने और उन्हें जमा रखने के मामलों में पुलिस–प्रशासन की असफलता राजधानी के लिए बड़े खतरे का संकेत है। हादसा होने के बाद अधिकारी कह रहे हैं कि आलम के पास लाइसेंस था या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। हालांकि सवाल उठने लगा है कि हादसे के बाद जांच से क्या होगा। अगर समय रहते ही जांच की गई होती तो शायद हादसा होने से बचाया जा सकता था। शहर में इस तरह की घटना कोई पहली बार नहीं है। पहले भी जिले में घरों में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। हर घटना के धमाके से जिम्मेदारों की नींद टूटती है और जांच की बात कही जाती है। बेहटा निवासी आलम के घर में हुए विस्फोट को लेकर पुलिस–प्रशासन की यही बयानबाजी सामने आई। डीसीपी ने दावा किया आलम की भाभी खातूना के नाम पर पटाखे बनाने का लाइसेंस है। खातूना के बेटे वारिस ने लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। सवाल ये है कि यदि आलम की भाभी के नाम परलाइसेंस है तो आलम के घर में पटाखे क्यों मौजूद थे। रिहायशी इलाके में पटाखे बनाने और रखने का लाइसेंस दिया ही क्यों गया। उधर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने साफ कहा है कि आलम के घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। गुडंबा के बेहटा गांव में सुबह हुए विस्फोट के सात घंटे के बाद घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूरी पर पटाखों के एक अवैध गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में एक गाय की मौत हो गई और एक भैंस घायल हो गई। धमाका इतना तेज था कि पूरा गोदाम ढह गया। ये गोदाम बेहटा गांव में सुबह हुए हादसे में मृत आलम के भतीजे शेरू का बताया गया है। चर्चा है कि आलम के घर में विस्फोट की खबर के बाद इस अवैध गोदाम को खाली करने का काम चल रहा था। इसी दौरान आग लगी और धमाके से इलाका गूंज उठा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बेहटा गांव में रहने वाले आलम के भतीजे शेरू ने सेमरा गांव में पटाखों का एक गोदाम बना रहा था। गोदाम हजार स्क्वॉयर फीट का था। रविवार शाम साढ़े छह बजे शेरू के गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ और आग–धुएं का गुबार दूर तक देखा गया। घटना के बाद मौके पर ईंटों का ढेर ही बचा। दूर तक पटाखे फैले नजर आए। विस्फोट की चपेट में आने से मिश्रपुर डिपो निवासी मुन्नू की गाय की मौत हो गई और भैंस घायल हो गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह, एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह, एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच पानी डालकर सुलग रहे पटाखों को निष्क्रिय किया। सुबह के वक्त बेहटा गांव में हुए विस्फोट के मुकाबले शाम के वक्त शेरू के गोदाम में हुए धमाके की तीव्रता पांच गुना थी। लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज तीन से चार किलोमीटर दूर तक लोगों को सुनाई दी। इससे पूरा इलाका दहल गया। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकल आए। इस बीच पुलिस की साइयन बजाती गाड़ियां दौड़ने लगीं। कुछ देर के बाद ग्रामीणों को पता चला कि पटाखे के गोदाम में विस्फोट हुआ था। गुडंबा के बेहटा में रविवार सुबह हुआ भयावह हादसा कोई पहली बार नहीं हुआ। बीते पांच वर्ष में इस गांव में छोटे–बड़े मिलाकर इस तरह के चार हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद घरों में पटाखे बनाने का धंधा बंद नहीं हुआ। बेहटा गांव में पटाखों में विस्फोट से जान गंवाने वाले आलम के घर से कुछ दूरी पर रामचंद्र का घर है। उन्होंने बताया कि इस रिहायशी इलाके में कई लोग काफी समय से घर में पटाखे बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में वर्ष 2020 से लेकर अब तक चार बार पटाखे के कारण घरों में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। पहले भी एक महिला की जान जा चुकी है। ग्रामीण इदरीश ने बताया कि गांव में काफी समय से पटाखा बनाने का कारोबार हो रहा है। कई बार लोगों ने शिकायत भी की, मगर न पुलिस और प्रशासन ने कुछ नहीं किया। हर समय लोगों को अपनी जान जाने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज दो लोगों की जान गई है। इसी तरह पटाखे बनते रहे तो और भी लोग हादसे के शिकार बन जाएंगे। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गांव में एक–दो नहीं बल्कि 15 से 20 घरों में लोग चोरी छिपे पटाखे बनाने का कारोबार कर रहे हैं। विरोध करने पर ये लोग मिल जाते हैं और अभद्रता व गाली–गलौज करने लगते हैं।

सीएम आवास के पास महिला ने आत्मदाह का किया प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह गौतमपल्ली थाना क्षेत्र स्थित सीएम आवास के पास महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया। उनके पास से एक थैले में मिट्टी का तेल भरी शीशी मिली है। उन्होंने शीशी निकाली और तेल अपने पर उड़ेल लिया। माचिस से आग लगा पाती इससे पहले वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस उन्हें अपने साथ थाने ले गई है। उनसे पूछताछ की जा रही है। महिला ने बताया कि उनका नाम रोली देवी है। वह हरदोई के पिहानी की रहने वाली हैं। हरदोई के ही विक्की मिश्रा ने उन्हें लखनऊ में मकान दिलाने का झांसा दिया और उनसे 60 लाख रुपये ले लिए। उन्होंने जीवन भर की पूंजी मकान के लिए दे दी। लेकिन, उन्हें न तो मकान मिला, न ही आरोपी रकम लौटा रहा है। पीड़िता ने बताया कि पहले तो विक्की ने रकम लौटाने की बात कही थी,

विधायक डश्र. नीरज बोरा को श्रीगणेश विग्रह भेंटकर किया सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर रोड स्थित सेवा परिसर में विधायक कार्यालय में इंटरनेशनल वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर लखनऊ उत्तरी के विधायक डॉ. नीरज बोरा का सोमवार को सम्मान किया गया। लखनऊ महानगर के युवा पदाधिकारियों ने श्रीगणेश विग्रह एवं अंग वस्त्र भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर युवा प्रदेश महामंत्री अनुराग साहू, युवा महानगर अध्यक्ष प्रियंक गुप्ता, अभिनव गुप्ता, राजू साहू, अभिषेक गुप्ता, तन्मय अग्रवाल, अभिषेक मित्तल, निखिल रस्तोगी, आनन्द गुलाटी, संदीप गुप्ता, सुदर्शन कटियार आदि मौजूद रहे।

जनजागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज जिला महिला चिकित्सालय हरदोई में महिला कल्याण विभाग के हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन व वन स्टाप सेन्टर के कार्मिक द्वारा प्रथम दिवस के थीम स्पेशल अवेयरनेस एंड कैपेसिटी बिल्डिंग सेशन ऑन ऑल वूमेन एंड सेंट्रिक स्कीम्स एंड पॉलिसीज पर विशेष अभियान चलाकर

जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संध्या, जेण्डर स्पेस्लिट, हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं में जागरूकता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास में वृद्धि तथा विभागयी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी, साथ ही सामाजिक नीतियों से जुड़कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाये जाने की विस्तृत जानकारी दी गयी है। कार्यक्रम में सुरभि सिंह, केस वर्कर, वन स्टाप सेन्टर द्वारा अभियान के प्रमुख उद्देश्य के बारे में महिलाओं को भारत सरकार व राज्य सरकार की सभी महिला–केंद्रित योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी दी गयी है। कार्यक्रम में हब के कर्मचारी उजे नजमुल हुसैन अनुपस्थित रहे।

'जनजागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को जिला महिला चिकित्सालय हरदोई में महिला कल्याण विभाग के हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन व वन स्टाप सेन्टर के कार्मिक द्वारा प्रथम दिवस के थीम "चमबपंस ंूतमदमे ंदक ब्वंबपजल ठनपसकपदह" मेपवद वद ।सस ॅवउमद–ब्मदजतपब" बीमउमे ंदक च्वसपबपमे पर विशेष अभियान चलाकर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संध्या, जेण्डर स्पेस्लिट, हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं में जागरूकता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास में वृद्धि तथा

विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी, साथ ही सामाजिक नीतियों से जुड़कर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाये जाने की विस्तृत जानकारी दी गयी है। कार्यक्रम में सुरभि सिंह, केस वर्कर, वन स्टाप सेन्टर द्वारा अभियान के प्रमुख उद्देश्य के बारे में महिलाओं को भारत सरकार व राज्य सरकार की सभी महिला–केंद्रित योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी दी गयी है। कार्यक्रम में हब के कर्मचारी उजे नजमुल हुसैन अनुपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीडा डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया भ्रमण कर लिया जायजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीडा डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया का भ्रमण कर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित पार्कों, सड़कों, नाली, पुलिया, जलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था एवं पार्कों के विकास

आदि एवं वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों एवं औद्योगिक क्षेत्र में साफ–सफाई का औचक निरीक्षण किया गया। सीडा प्राधिकरण क्षेत्र में शासन द्वारा स्वीकृत अटल इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के अन्तर्गत अवस्थापना कार्यों जैसे–सड़क, नाली, जलापूर्ति, पथ–प्रकाश, नाला निर्माण एवं पार्को का विकास आदि के कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यों को गुणवत्तापूर्वक एवं ससमय पूर्ण कराये जाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये तथा सीडा के उद्यमी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्यायों पर चर्चा की गयी व नियमानुसार समस्याओं का निस्तारण कराये जाने हेतु सीडा के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर कपिल मुनि, ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्उपजिलाधिकारी मछलीशहर कुमार सौरभ, प्रबन्धक सुश्री सीमा सिंह, प्रबन्धक (सिविल) मो० शारिक हबीब, व सीडा के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट 52 किया गया चालान - डाक्टर आर पी सिंह

अयोध्या।दूसरे दिन भी नो हेलमेट नो फ्यूल का अभियान चलाया गया।इस संबंधित मे एआरटीओ प्रशासनध्प्रर्वतन डॉं आर पी सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट 52 चालान किया गया।बताया कि यह अभियान 30 सितंबर तक लगातार जारी रहेगा।नो हेलमेट न फ्यूल का उद्देश्य लोगों को अपनी जिंदगी बचाने के लिए हेलमेट की अनिवार्यता को लागू कराना है, जिससे व्यक्ति अपनी जान बचा सके। आज के अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन डॉक्टर आरपी सिंह तथा यात्री कर अधिकारी राजेश कुमार उपस्थित रहे। अभियान के तहत बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालकों को जहां एक तरफ जागरूक किया गया

महिला थानाध्यक्ष ने पैदल गस्त कर वाहन चालकों को किया जागरूक

अयोध्या। शहर मे गणेश उत्सव तथा बारावफात पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन को एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।जिसको लेकर सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर शहर के कोतवाली नगर पुलिस, थाना कैंट पुलिस व महिला थाना पुलिस पैदल गस्त तथा वाहन चेकिंग अभियान चला रही।टीम मे शामिल पुलिस कर्मी गणेश उत्सव मनाए जाने वाले पंडालों पर भी जाकर वहां के पदाधिकारी को सतर्कता बढ़ाने की हिदायत दे रही है।रविवार की देर रात शहर के कई मार्गो तथा पंडालों पर जाकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने पैदल गस्त किया तथा कई पंडालों पर जाकर निरीक्षण किया।वहीं इसी कड़ी में उन्होंने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया

जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि 1 सितंबर से हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट के पेट्रोल डीजल नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना,प्रिया सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही।

रोलबॉल स्टेट प्रतियोगिता के दूसरा दिन लखनऊ की लड़कियों का बेहतरीन प्रदर्शन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित 16वी मिनी व 18वी जूनियर उत्तर प्रदेश स्टेट रोलबॉल चौंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन लखनऊ टीम ने लड़कियों के जूनियर वर्ग में अपने सभी मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जबकि मिनी ग्रुप की लड़कियां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेविका व जूडो की राष्ट्रीय खिलाड़ी रही वर्षा वर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को खेल से जुड़ना चाहिए। क्योंकि खेल से शारीरिक व मानसिक संतुलन रहता है व आज के समय में खेल आगे चलकर रोजगार में भी सहायक सिद्ध होता है। लखनऊ रोलबाल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया कि आज दूसरे दिन लखनऊ की लड़कियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। लखनऊ की जूनियर वर्ग गर्ल्स टीम ने मुरादाबाद को 9–0 से हराकर अपने ग्रुप में टॉप पर रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच में काव्या ने बेहतरीन 4 गोल व आद्या ने 2, अनन्या, शरिया, व आराध्या ने 1–1 गोल किया। गर्ल्स मिनी ग्रुप में लखनऊ की लड़कियों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आज मेरठ, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, वाराणसी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश रोलबॉल एसोसिएशन के सचिव संतोष श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष कपिल, मंजू श्रीवास्तव, मनोज वर्मा, आदित्य बाजपेई, सुनील शुक्ला, नफीस अहमद, प्रकाश मिश्रा, रामगोपाल सिंह, मनोज तिवारी, अनंत तोमर, आदि उपस्थित रहे।

08 सितम्बर 2025 से नही चलेंगे अनफिट स्कूली वाहन – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में स्कूली वाहनो के प्रपत्रों की अनिवार्यता, विद्यालय वाहनो की आयु सीमा शिक्षा संस्था बसध्अनुबंधित बस विद्यालय वैन पंजीयन के दिनांक से 15 वर्ष, विद्यालय स्तर पर विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन, विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का कार्य, विद्यालय वाहनो की पार्किंग एवं उनका विराम स्थल, विद्यालय वाहनों के ड्राइवरो की पात्रता एवं कर्तव्य, विद्यालय वाहनो में सुरक्षा से सम्बन्धित मानक, जागरूकता कार्यक्रम के संबंध आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में वाहनों का संचालन तभी किया जाए, जब वाहनों के प्रपत्र पूर्ण हो, यदि ऐसे वाहन जिनके प्रपत्र पूर्ण नहीं है उन वाहनों के विरुद्ध बंदध्चालान की कार्रवाई की जाए। सभी विद्यालयों में विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन किया जाए और उक्त समिति अपने–अपने विद्यालय में संचालित वाहनों का परीक्षण करके ही वाहनों का संचालित कराये। सभी विद्यालय

अपने कैंपस के अंदर ही बच्चों को वाहन से उतारने एवं चढ़ाने का कार्य करें। सभी विद्यालय अपने यहाँ नोडल ट्रांसपोर्ट के रूप में किसी अध्यापक को नामित करें, जो बच्चों को यातायात के प्रति जागरूक का कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि 08 सितम्बर 2025 के बाद अनफिट स्कूली वाहन नही चलेगा। प्रत्येक विद्यालयी वाहनों के समस्त प्रपत्र फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण, डी0एल0 पूर्ण कराकर ही वाहन का संचालन करें। बैठक में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में अनफिट स्कूली वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए माह 01 जुलाई 2025 से 31 अगस्त 2025 तक कुल 90 वाहनों का चालानध्बन्द की कार्यवाही की गयी है और अनफिट स्कूली वाहनों के प्रबन्धकध्प्रधानाचार्य को नोटिस प्रेषित किया गया है कि अनफिट वाहनों के प्रपत्र पूर्ण कराने के उपरान्त ही वाहन का संचालन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्य, मा0 राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण विभाग प्रतिनिधि अजय सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, एआरटीओ एस.के. सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, सीओ ट्रैफिक, आरआई अशोक यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाई टेंशन विद्युत लाइनों को हटाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में जनपद अयोध्या में परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के भवनों ध परिसरों के ऊपर से हाई टेंशन विद्युत लाइनों को हटाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई।जिसमें यह निर्णय लिया गया कि प्राथमिकता पर विद्यालयों के ऊपर से गुजरने वाले एच०टी० लाइनों को हटाने हेतु विद्युत विभाग द्वारा सूची तैयार कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा।उक्त बैठक में कृष्ण कुमार सिंह,अवनीश कुमार पाण्डेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी, अयोध्या, डा० पवन तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अयोध्या, प्रदीप वर्मा, अधीक्षण अभियन्ता (विद्युत), मनीष चौबे, अधिशासी अभियन्ता (अयोध्या धाम, वैभव आनन्द, अधिशासी अभियन्ता (दर्शन नगर), बिनोद कुमार, अधिशासी अभियन्ता (मिल्कीपुर), विनय सोनी, अधिशासी अभियन्ता (रूदौली) एवं विनय कुमार, अधिशासी अभियन्ता (भण्डार खण्ड) बी०ई०ओ० डा० अकिंत कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग, गिरजाशंकर पाण्डेय, डी०सी० निर्माण सहित अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहें।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति, जौनपुर के आम सभा की आवश्यक बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । आगामी 22 सितम्बर से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की आम सभा एक आवश्यक बैठक नगर के मंगलम लान में श्री दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से शारदीय नवरात्र से पहले नगर की और ग्रामीण अंचल क्षेत्र में सड़कों की प्रमुख समस्या पर विचार किया गया साथ ही जिला प्रशासन से यह मांग किया गया है कि जल्द से जल्द इन सड़कों को गड्ढा मुक्त कराए जिससे नवरात्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को लाने में कोई समस्या ना हो बिजली और साफ सफाई को लेकर भी जिला प्रशासन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी समय से पहले अपने कार्य को संपन्न कारण जिससे पूजा समितियों को शारदीय नवरात्र को सब कुशल संपन्न कराने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना उत्पन्न हो। जल्द ही महा समिति के पदाधिकारी, संरक्षक मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग से मिलकर जन समस्याओं से संबंधित उन्हें पत्रक भी सौपगे। बैठक के दौरान बीते वर्ष सड़कों और बिजली की समस्या को लेकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था इसको लेकर लोगों में पूजन समितियों में काफी आक्रोश था इसके संबंध में महासमिति के अध्यक्ष ने लोगों को आश्वास्त किया कि जल्द ही जिला

प्रशासन से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। अध्यक्ष मनीष देव ने सभी समितियों से आग्रह किया की आगामी 14 सितम्बर 2025 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में होटल रिवर व्यू मे सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।आगे उन्होंने कहा कि श्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा नगर के रिवर व्यू होटल पर विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण व भव्य समारोह का आयोजन 14 सितंबर 2025 को किया गया है जिसमें दुर्गा पूजा समितियां व अन्य सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्व अध्यक्ष संजय सिंह, मोतीलाल यादव, विजय सिंह बागी,अनिल अस्थान संरक्षक शोभ नाथ आर्य, चन्द्र प्रताप सोनी, विंध्याचल सिंह , श्री कान्त महेश्वरी, निखलेश सिंह एवं राधे कृष्णा ओझा के साथ प्रबन्धकारिणी के राहूल पाठक, डा. अतुल सिंह मुन्ना, विजय प्रताप सिंह, आशीष त्रिपाठी, निशा कान्त द्विवेदी आदि ने अपने विचार सदन में रखें। अध्यक्षीय उद्बोधन में महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव ने पूजन समितियों को आश्वस्त किया की शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ होने से पूर्व शासन– प्रशासन को पत्रक देकर सभी समस्याओं का निराकरण समय पूर्व करा लिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा आप मां भगवती का पूजन अनुष्ठान पूरे अनुशासन व भक्तिभाव से करें।उक्त आम सभा बैठक का सफल संचालन महासचिव मनीष गुप्ता ने किया। इस दौरान बैठक में विजय रघुवंशी, रामप्रकाश यादव, गौरव श्रीवास्तव, महेश जायसवाल, रत्नेश सिंह, अमित गुप्ता, संदीप जायसवाल राजन अग्रहरि, शैलेंद्र मिश्रा, विजय गुप्ता, संजय मोदनवाल, संजय विश्वकर्मा, चंदन यादव, विष्णु, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,गुप्ता,मो. शाहिद, लालता सोनकर, श्री पाल यादव, रवि शर्मा आशीष रावत , ज्ञानेन्द्र दूबे, अभिषेक अग्रहरी, प्रिन्स तनेजा, अनित सिंह,विवेक जायसवाल, यश गुप्ता, महेंद्र अग्रहरि,आदि महासमिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी के प्रति आभार राम रतन विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दिया।

नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान शुरू जिला प्रशासन शक्त पेट्रोल पंप संचालक पेट्रोल देने कर रहे इंकार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 1 सितंबर से श्नो हेलमेट नो पेट्रोलश अभियान शुरू हुआ है। जौनपुर जिला प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंप मालिकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। प्राइम अलाइड सर्विस कॉरपोरेशन के मैनेजर मनीष जायसवाल ने पंप पर बैनर लगा दिए हैं।उन्होंने बिना हेलमेट आने वाले ग्राहकों को ईंधन देने से मना कर दिया है। अस्पताल या कोर्ट जाने वालों को पहले दिन चेतावनी देकर छोड़ा गया है। वही राजेश्वरी फिलिंग स्टेशन के प्रो अभिषेक अग्रहरि ने बताया कि बिना हेलमेट के पंप से किसी को पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है।शासन की

गाइड लाइन का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि जौनपुर पुलिस पहले से ही हेलमेट के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतें सबसे ज्यादा हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं में अधिकतर मौतें सिर में चोट के कारण होती हैं। जौनपुर में सभी थाना प्रभारियों और ट्रैफिक कर्मियों को नियम सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लोगों को जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अभियान के पहले दिन बिना हेलमेट के हुआ 68 चालान – डाक्टर आर पी सिंह

अयोध्या। जिले मे सोमवार से नो हेलमेट नो फ्यूल का अभियान आज से प्रारंभ किया गया।यह अभियान 30 सितंबर तक लगातार जारी रहेगा।इस संबंध मे एआरटीओ प्रशासन, प्रवर्तन डॉक्टर आरपी सिंह ने बताया कि नो हेलमेट नो फ्यूल का उद्देश्य लोगों को अपनी जिंदगी बचाने के लिए हेलमेट की अनिवार्यता को लागू कराना है। जिससे व्यक्ति अपनी जान बचा सका। बताया कि इस अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन के साथ एआरटीओ प्रवर्तन यात्री कर अधिकारी राजेश कुमार उपस्थित रहे। अभियान के तहत बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालकों को जहां एक तरफ जागरूक किया गया वहीं दूसरी तरफ उनके चालान भी किए गए।अभियान के दौरान बिना हेलमेट के 68 चालान किया गया।

स्वास्थ्य मेला में 2440 का उपचार, एएनएम का वेतन रोका

भदोही, (संवाददाता)। जिले के 17 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें 2440 मरीजों ने स्वास्थ्य मेले का लाभ उठाया। मेले में विभिन्न बीमारियों के मरीज पहुंचे।

'जिलाधिकारी ने जन सुनवाई में सुनी 57 शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मंगलवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 57 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि पैमाइश व अंश निधारण के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। चकरोड व सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की

शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। जन सुनवाई में 01 बच्चें को बाल सेवा योजना से जोड़ा गया। एक व्यक्ति का राशन कार्ड बनाया गया। जन सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।